



स्नातक विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर जीवनशैली और वृत्तिक निर्णय क्षमता के प्रभाव का अध्ययन

दीप्ति श्रीवास्तव¹, ड०. निशा श्रीवास्तव², ड०. पुष्पलता शर्मा³

¹ शोध छात्रा, केंद्र: कल्याण पी. जी. कॉलेज, दुर्ग

² प्रोफेसर, शिक्षा संकाय, घनश्याम सिंह आर्यकन्या महाविद्यालय, दुर्ग

³ पूर्व प्रोफेसर, शिक्षा संकाय, कल्याण पी. जी. कॉलेज, दुर्ग

ABSTRACT

विद्यार्थी प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक पारिवारिक, शैक्षिक और सामाजिक परिवेश के परिवर्तनों के मध्य सामंजस्य स्थापित करते हुए अपना अध्ययन पूरा करता है। शिक्षा विद्यार्थियों की बौद्धिक शक्ति को मजबूत करने, भावनात्मक संतुलन बनाने, उन्हें नैतिक और सांस्कृतिक रूप से सशक्त बनाने में सहायता करती है और उनकी जीवनशैली को दिशा प्रदान करती है। यह विद्यार्थियों में वृत्तिक जागरूकता भी विकसित करती है। महाविद्यालय की शिक्षा के दौरान विद्यार्थी व्यावसायिक जीवन के विकल्पों के प्रति स्पष्ट दृष्टिकोण बनाने लगते हैं। अपनी वृत्तिक निर्णय क्षमता के कारण वे अध्ययन के लिए उपयुक्त विषयों का भी चयन करते हैं और अच्छे शैक्षिक प्रदर्शन को महत्व देते हैं। दुर्ग जिले के स्नातक प्रथम वर्ष में अध्ययनरत विद्यार्थियों पर किया गया यह शोध शैक्षिक उपलब्धि पर उनकी जीवनशैली और वृत्तिक निर्णय क्षमता के प्रभाव से संबंधित है। स्तरीकृत यादृच्छिक विधि के अंतर्गत 10 महाविद्यालयों से चयनित 600 विद्यार्थियों के न्यादर्श पर किया गया यह अध्ययन जीवनशैली और वृत्तिक निर्णय क्षमता की वैध एवं विश्वसनीय प्रामाणिक मापनियों का उपयोग करता है। इन मापनियों से प्राप्त मूल्यों के आधार पर विद्यार्थियों को जीवनशैली के दो (उच्च, निम्न) और वृत्तिक निर्णय क्षमता के दो (उच्च, निम्न) समूहों में बाँटकर उनकी शैक्षिक उपलब्धि का 2X2 द्विदिशीय प्रसरण विश्लेषण किया गया। F-परीक्षण के परिणामों में जीवनशैली और वृत्तिक निर्णय क्षमता का शैक्षिक उपलब्धि पर मुख्य प्रभाव सार्थक पाया गया, जबकि इनका अंतःक्रियात्मक प्रभाव सार्थक नहीं पाया गया। समूहों की शैक्षिक उपलब्धि के मध्यमान और मानक विचलन के अध्ययन में उच्च जीवनशैली और उच्च वृत्तिक निर्णय क्षमता वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि निम्न जीवनशैली और निम्न वृत्तिक निर्णय क्षमता वाले विद्यार्थियों से बेहतर पाई गई।

KEYWORDS: स्नातक, जीवनशैली, वृत्तिक निर्णय क्षमता, शैक्षिक उपलब्धि

भूमिका

विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि व्यक्तिगत और परवेशजन्य दोनों प्रकार के कारकों से प्रभावित होती है। व्यक्तिगत कारकों में जीवनशैली से सम्बद्ध स्वास्थ्य सजगता, शैक्षिक और सामाजिक उन्मुखता तथा नव प्रचलनों के प्रति उनके रुझान, पाठ्येतर गतिविधियों में भागीदारी इत्यादि प्रमुख हैं। इनके अलावा, अन्य व्यक्तिगत कारकों में विद्यार्थियों की वृत्तिक सजगता, व्यावसायिक आकांक्षाएं एवं स्पष्ट वृत्तिक निर्णय लेने की क्षमता भी उनके शैक्षिक प्रदर्शन को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करते हैं। परिवेश से जुड़े कारकों में पारिवारिक सहयोग, संसाधनों तक पहुँच, सामाजिक-आर्थिक विषमताएं और शैक्षिक तथा वृत्तिक विकल्पों का निर्धारण करने वाले सांस्कृतिक तथा सामाजिक मानदंड मुख्य हैं, जो उनकी शैक्षिक उपलब्धि एवं वृत्तिक दिशा को प्रभावित करते हैं। शैक्षिक उपलब्धि को प्रभावित करने वाले उपर्युक्त कारक परस्पर जटिल क्रिया कर सकते हैं और अलग-अलग विद्यार्थियों पर अलग-अलग प्रभाव डाल सकते हैं। उदाहरण के लिए, विद्यार्थी की सामाजिक-आर्थिक स्थिति शैक्षिक संसाधनों तक उसकी पहुँच और उसे मिलनेवाले पारिवारिक समर्थन को प्रभावित कर सकती है और ये दोनों मिलकर उनकी शैक्षिक उपलब्धि को प्रभावित कर सकते हैं।

वर्तमान समय में विद्यार्थियों के व्यावसायिक विचार उनकी जीवनशैली पर असर डालते हैं। साथ ही शिक्षा में नवीन तकनीक का समावेश और बढ़ती हुई प्रतिस्पर्धा से भी विद्यार्थियों की जीवनशैली प्रभावित होती है। संसाधनों के अभाव और अपनी आर्थिक सीमा के कारण वे अपने भविष्य के बारे में चिंतित और अनिश्चित रहते हैं और वृत्तिक विकल्पों के चुनाव में उन्हें निर्णय-अनिर्णय के द्वन्द्व से गुजरना पड़ता है। इससे विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि भी प्रभावित होती है। उनके लिए जीवनशैली, वृत्तिक भविष्य की योजना और शैक्षिक प्रदर्शन के बीच संतुलन बनाए रखना बड़ी चुनौती बन गया है। आज की युवा पीढ़ी के लिए जीवन के इन महत्वपूर्ण पहलुओं से संबंधित समस्याओं का निदान आवश्यक है। जीवनशैली और इसको प्रभावित करनेवाले कारकों से संबंधित कई शोध उपलब्ध हैं और वृत्तिक निर्णय या अनिर्णय के कारणों की पहचान करने वाले भी कई अध्ययन हैं। लेकिन विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर इनके संयुक्त प्रभाव की जाँच करनेवाले अध्ययन

कम हैं। यही कारण है कि स्नातक विद्यार्थियों की जीवनशैली और वृत्तिक निर्णय क्षमता का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर पड़नेवाले परस्पर प्रभाव के अध्ययन को प्रस्तुत शोध के मुख्य उद्देश्य के रूप में लिया गया है।

अध्ययन के चर जीवनशैली

सामान्य अर्थों में जीवनशैली किसी व्यक्ति का व्यक्तिगत एवं सामाजिक प्रस्तुतीकरण है, जो उसके विभिन्न क्रियाओं, विचारों, रुचियों और व्यवहारों में प्रदर्शित होती है। मनुष्य में स्वस्थ एवं उद्देश्यपूर्ण जीवन जीने की कला उसके सामाजिक, सांस्कृतिक, पारिवारिक और शैक्षिक वातावरण से प्रभावित होती है। विद्यार्थियों का जीवन प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक क्रमबद्ध रूप से बदलता जाता है। आवश्यकताओं के आधार पर चलने वाली उनकी दिनचर्या उनके द्वारा अपनाई गई जीवनशैली का प्रतिबिंब होती है। उनकी जीवनशैली अनुभवों, हितों और शैक्षिक परिणामों को प्रभावित करती है।

वृत्तिक निर्णय क्षमता

वृत्तिक निर्णय क्षमता किसी भी व्यक्ति के अपने रोजगार पथ के बारे में स्पष्ट और आत्मविश्वासपूर्ण निर्णय ले सकने की योग्यता है। अपने भावी व्यावसायिक जीवन के प्रति विद्यार्थी जो विचार बनाते हैं, वह उनकी वृत्तिक अवधारणा कहलाती है। जब विद्यार्थी परिस्थितियों के साथ सामंजस्य रखते हुए अपनी अभिक्षमता और रुचियों को ध्यान में रखकर अपने विवेक से वृत्ति संबंधी निर्णय ले सकता है तो यह विद्यार्थी की वृत्तिक निर्णय क्षमता कहलाती है।

शैक्षिक उपलब्धि

शैक्षिक उपलब्धि विद्यार्थियों द्वारा अपने विद्यार्थी जीवन में अर्जित ज्ञान और कौशल के माध्यम से प्राप्त की गई योग्यता है। सामान्यतः यह शैक्षणिक संस्थाओं द्वारा अध्यापन सत्र के दौरान या उसकी समाप्ति पर किये जानेवाले प्रामाणिक आकलन और मूल्यांकन विधियों से प्राप्त अंकों के प्रतिशत या ग्रेड पॉइंट औसत के रूप में

व्यक्त किया जाता है।

• संबंधित शोध अध्ययन की समीक्षा

जीवनशैली

रोहित (2015) ने गुजरात के एक महाविद्यालय में कला और विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों की जीवनशैली का तुलनात्मक अध्ययन किया। उनके अध्ययन से यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि दोनों संकाय के विद्यार्थियों में कोई सार्थक अंतर नहीं है। कवि और वालवेकर (2020) ने उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर जीवनशैली के प्रभाव का अध्ययन करते हुए यह निष्कर्ष पाया कि विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर जीवनशैली का सार्थक प्रभाव पड़ता है। उनके अध्ययन में इस बात की पुष्टि हुई कि अस्वास्थ्यकर जीवनशैली वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि अच्छी नहीं होती है। भेड़ा (2023) ने लिंग और संकाय के आधार पर स्नातक विद्यार्थियों की जीवनशैली का अध्ययन किया और कला और वाणिज्य संकाय के छात्रों और छात्राओं की जीवनशैली में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया।

वृत्तिक निर्णय क्षमता

कौर और राणा (2016) ने उच्चतर माध्यमिक विद्यार्थियों की वृत्तिक निर्णय क्षमता और आत्म-दक्षता के संबंध का अध्ययन करते हुए यह पाया कि इनमें धनात्मक सह-संबंध है। भल्ला एवं सिंह (2018) ने अपने अध्ययन में युवाओं की वृत्तिक निर्णय क्षमता एवं आत्मविश्वास के मध्य सकारात्मक संबंध पाया। सनेबोयना एवं नेत्रवती (2018) ने गोवा के इंटरमीडिएट कला के विद्यार्थियों की वृत्तिक निर्णय क्षमता का अध्ययन किया और पाया कि कला संकाय के छात्रों और छात्राओं की वृत्तिक निर्णय क्षमता में कोई सार्थक अंतर नहीं है। करियप्पा एवं विश्वनाथप्पा (2021) ने मैसूर के उच्चतर विद्यालय के विद्यार्थियों के वृत्तिक निर्णय एवं अनिर्णय के मध्य संबंध पर अध्ययन कर यह पाया कि दोनों में सार्थक अंतर है। जिन विद्यार्थियों को वृत्ति से संबंधित किसी कुशलता की ट्रेनिंग दी जाती है उनका अनिर्णय कम होता है और निर्णय क्षमता उच्च होती है। शुभ्राज्योति (2023) ने उच्चतर माध्यमिक विद्यार्थियों की रोजगार संबंधी निर्णय क्षमता का अध्ययन किया और निष्कर्ष निकाला कि छात्राओं की निर्णय क्षमता छात्रों की अपेक्षा अधिक है।

शैक्षिक उपलब्धि

गांगुली और अन्य (2016) ने स्नातक विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि, शैक्षिक दक्षता और समय प्रबंधन के मध्य अध्ययन किया। उनके अध्ययन से यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि शैक्षिक उपलब्धि का शैक्षिक दक्षता और समय प्रबंधन के साथ धनात्मक सह-संबंध है। व्यवस्थित समय प्रबंधन, बेहतर शैक्षिक दक्षता होने पर विद्यार्थी की शैक्षिक उपलब्धि बेहतर होती है। कुमार एवं तनखा (2020) ने किशोर विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर प्रेरणा एवं मनोवैज्ञानिक सामंजस्य के प्रभाव का अध्ययन किया और पाया कि किशोरों की शैक्षिक उपलब्धि पर प्रेरणा और मनोवैज्ञानिक सामंजस्य का सार्थक प्रभाव पड़ता है।

• अध्ययन का उद्देश्य

स्नातक विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर जीवनशैली और वृत्तिक निर्णय क्षमता का मुख्य एवं अंतःक्रियात्मक प्रभाव का अध्ययन करना।

• परिकल्पना

स्नातक विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर जीवनशैली (उच्च, निम्न) का मुख्य ($H_{0.1}$), वृत्तिक निर्णय क्षमता (उच्च, निम्न) का मुख्य ($H_{0.2}$) एवं इनका अंतःक्रियात्मक प्रभाव ($H_{0.3}$) सार्थक नहीं पाया जाएगा।

• न्यादर्श

प्रस्तुत शोध अध्ययन में विद्यार्थियों की उपर्युक्त जनसंख्या से 600 विद्यार्थियों का चयन स्तरीकृत, गैर आनुपातिक यादृच्छिक विधि द्वारा किया गया है जिसमें प्रत्येक महाविद्यालय से 60 विद्यार्थी लिए गए।

• शोध उपकरण

जीवनशैली मापनी

जीवनशैली की माप के लिए बावा और कौर (2012) की मापनी LSS-BK का प्रयोग किया गया है। यह पैमाना 5 बिंदुओं वाले 60 लिकर्ट प्रश्नों की शृंखला से बना है। प्रश्नों के लिए 0 से 4 तक अंक निर्धारित हैं और अंक सीमा 0 से लेकर

240 तक है।

वृत्तिक निर्णय क्षमता मापनी:

वृत्तिक निर्णय क्षमता की मापनी CDMS-KS कौर, किरणदीप (2014) द्वारा निर्मित है। इसमें 3 बिंदुओं वाले 18 प्रश्नों की शृंखला है। प्रश्नों के लिए 1 से 3 तक अंक निर्धारित हैं और अंक सीमा 18 से 54 है।

शैक्षिक उपलब्धि:

विद्यार्थी की बारहवीं कक्षा का प्राप्तांक प्रतिशत लिया गया।

• सांख्यिकीय विश्लेषण

विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि (आश्रित चर) पर उनकी जीवनशैली और वृत्तिक निर्णय क्षमता के प्रभाव के अध्ययन के लिए शैक्षिक उपलब्धि का जीवनशैली के समूहों (उच्च, निम्न) और वृत्तिक निर्णय क्षमता के समूहों (उच्च, निम्न) के आधार पर 2X2 (जीवनशैली X वृत्तिक निर्णय क्षमता) द्विकारकीय अभिकल्प का उपयोग कर प्रसरण विश्लेषण किया गया। जीवनशैली और वृत्तिक निर्णय क्षमता के अंकों के आवृत्ति वितरण में यह पाया गया कि माध्यिका वाले वर्ग को स्पष्ट रूप से उच्च या निम्न वर्ग में रखना संभव नहीं था। इस मध्यस्थ वर्ग के आंकड़ों को विश्लेषण में प्रयोग में नहीं लाया गया और स्पष्ट रूप से उच्च और निम्न समूहों में रखे गए 506 आंकड़ों को विश्लेषण के लिए लिया गया। चूंकि इस अवलोकनात्मक अध्ययन में चरों को नियंत्रित नहीं किया गया, इसलिए प्रसरण विश्लेषण असंतुलित समूहों पर आधारित था। SPSS की सहायता से असंतुलित प्रसरण विश्लेषण से प्राप्त F-मान के आधार पर शून्य परिकल्पना का परीक्षण किया गया। प्रसरण विश्लेषण के साथ ही जीवनशैली और वृत्तिक निर्णय क्षमता के आधार पर बने समूहों की शैक्षिक उपलब्धि की तुलना के लिए मध्यमान और मानक विचलन के मूल्य भी प्राप्त किये गए।

• प्रदत्तों का विश्लेषण एवं निष्कर्ष

शैक्षिक उपलब्धि पर विद्यार्थियों की जीवनशैली और वृत्तिक निर्णय क्षमता के प्रभावों के द्विकारकीय अध्ययन में आंकड़ों के प्रसरण विश्लेषण से जो परिणाम प्राप्त हुए उन्हें यहाँ सम्बद्ध परिकल्पनाओं के साथ प्रस्तुत किया गया है।

प्रसरण स्रोत	वर्गों का योग	स्वतंत्रता की कोटि	मध्यमान वर्ग-योग	F अनुपात
जीवनशैली	7267.603	1	7267.603	148.596**
वृत्तिक निर्णय क्षमता	6445.684	1	6445.684	131.791**
जीवनशैली X वृत्तिक निर्णय क्षमता	172.092	1	172.092	3.519
त्रुटि	24552.046	502	48.908	
कुल योग	2557957.000	506		

** = 0.01 सार्थकता स्तर

तालिका क्रमांक 1

शैक्षिक उपलब्धि पर जीवनशैली एवं वृत्तिक निर्णय क्षमता के प्रभाव के संदर्भ में प्रसरण विश्लेषण का सारांश

$H_{0.1}$ स्नातक विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि पर जीवनशैली का मुख्य प्रभाव सार्थक नहीं पाया जाएगा।

तालिका क्रमांक 1 के अनुसार जीवनशैली के लिए प्राप्त F-मान, $df(1, 502)$ सार्थकता स्तर 0.01 पर सारणी मान से अधिक होने के कारण विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर उनकी जीवनशैली का मुख्य प्रभाव सार्थक पाया गया। अतः शून्य परिकल्पना $H_{0.1}$ अस्वीकृत हुई। शैक्षिक उपलब्धि के मध्यमानों की तालिका क्रमांक 2 से यह स्पष्ट है कि उच्च जीवनशैली वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि उच्च और निम्न जीवनशैली वाले विद्यार्थियों की निम्न पायी गई।

प्रसरण स्रोत	समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन
जीवनशैली	उच्च	253	74.355	7.444
	निम्न	253	66.230	7.539

तालिका क्रमांक 2

जीवनशैली के आधार पर शैक्षिक उपलब्धि के मध्यमान और मानक विचलन का सारांश

$H_{0.2}$ स्नातक विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि पर वृत्तिक निर्णय क्षमता का मुख्य प्रभाव सार्थक नहीं पाया जाएगा।

तालिका क्रमांक 1 के अनुसार वृत्तिक निर्णय क्षमता के लिए प्राप्त F-मान, $df(1, 502)$ सार्थकता स्तर 0.01 पर सारणी मान से अधिक होने के कारण विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर उनकी वृत्तिक निर्णय क्षमता का मुख्य प्रभाव सार्थक पाया गया। अतः शून्य परिकल्पना $H_{0.2}$ अस्वीकृत हुई। शैक्षिक उपलब्धि के मध्यमानों की तालिका क्रमांक 3 से यह स्पष्ट है कि उच्च वृत्तिक निर्णय क्षमता वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि उच्च और निम्न वृत्तिक निर्णय क्षमता वाले विद्यार्थियों की निम्न पायी गई।

प्रसरण स्रोत	समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन
वृत्तिक निर्णय क्षमता	उच्च	249	74.118	7.511
	निम्न	257	66.466	7.471

तालिका क्रमांक 3

जीवनशैली के आधार पर शैक्षिक उपलब्धि का मध्यमान और मानक विचलन का सारांश

$H_{0.3}$ स्नातक विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि पर जीवनशैली और वृत्तिक निर्णय क्षमता का अंतःक्रियात्मक प्रभाव सार्थक नहीं पाया जाएगा।

तालिका क्रमांक 1 के अनुसार प्राप्त F-मान, $df(1, 502)$ सार्थकता स्तर 0.05 पर सारणी मान से कम होने के कारण प्रसरण विश्लेषण में विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर जीवनशैली और वृत्तिक निर्णय क्षमता का द्विकारकीय अंतःक्रियात्मक प्रभाव सार्थक नहीं पाया गया। अतः शून्य परिकल्पना $H_{0.3}$ स्वीकृत हुई। विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर जीवनशैली का प्रभाव उच्च एवं निम्न वृत्तिक निर्णय क्षमता वाले विद्यार्थियों के लिए सार्थक रूप से भिन्न नहीं पाया गया। ये दोनों चर परस्पर स्वतंत्र रूप से शैक्षिक उपलब्धि पर सार्थक प्रभाव डालते हैं।

• निष्कर्ष

स्नातक विद्यार्थियों की जीवनशैली और वृत्तिक निर्णय क्षमता दोनों का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर सार्थक प्रभाव पाया जाता है। ये दोनों चर स्वतंत्र रूप से छात्रों के शैक्षिक उपलब्धियों को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। लेकिन, जीवनशैली और वृत्तिक निर्णय लेने की क्षमता के बीच द्वि-कारकीय परस्पर अंतःक्रिया का विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर सार्थक प्रभाव नहीं पाया गया। इससे पता चलता है कि इन दोनों चरों का अलग-अलग सार्थक प्रभाव शैक्षिक उपलब्धि को प्रभावित करते हैं। लेकिन जीवनशैली का प्रभाव वृत्तिक निर्णय क्षमता के आधार पर नहीं बदलता है, अर्थात् शैक्षिक उपलब्धि पर उनका अंतःक्रियात्मक प्रभाव सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण नहीं है। जीवनशैली के उच्च और वृत्तिक निर्णय क्षमता के उच्च स्तर वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धियों के मध्यमान अधिक पाए गए जो इस बात का द्योतक है कि विद्यार्थियों की जीवनशैली और वृत्तिक निर्णय क्षमता का उच्च होने से उनकी शैक्षिक उपलब्धि बेहतर होती है।

• शैक्षिक उपादेयता

विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में उत्तरोत्तर वृद्धि करने हेतु जीवनशैली और वृत्तिक निर्णय क्षमता संबंधी कारकों को व्यापक रूप से समझकर शिक्षक, अभिभावक और शिक्षा संबंधी नीति निर्माता महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। जीवनशैली में संतुलन से विद्यार्थी अपने विवेक, अपनी क्षमता, कौशल और योग्यता में विकास कर अपने अध्ययन को सकारात्मक दिशा देने में सक्षम हो पाएगा। विद्यार्थियों की सफल जीवनशैली और श्रेष्ठ शैक्षिक उपलब्धि में माता-पिता का सहयोग भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। शैक्षिक गतिविधियों में वृत्तिक जागरूकता कार्यक्रम का समावेश

किया जाना चाहिए ताकि छात्रों को विभिन्न प्रकार के व्यवसायों की जानकारी प्राप्त हो सके। व्यापक वृत्तिक मार्गदर्शन सेवाओं के लिए संसाधन आबंटित किए जाने चाहिए और इस बात की व्यवस्था की जानी चाहिए कि ये संसाधन जरूरतमन्द विद्यार्थियों तक पहुँचें। विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि को बेहतर करने में नीति निर्माताओं के द्वारा पाठ्यक्रम के अलावा पाठ्येतर गतिविधियों, जैसे शारीरिक स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता और योग शिविर, अन्य कौशलों के विकास एवं ज्ञान-वर्धन हेतु शैक्षिक भ्रमण, प्रतिष्ठित संस्थाओं के अवलोकन कार्यक्रम, शैक्षिक संस्थानों में विषय-विशेषज्ञों के व्याख्यान, सेमीनार और कार्यशालाओं के आयोजन को शामिल किया जाना चाहिए। इनसे विद्यार्थियों की जीवनशैली में सकारात्मक परिवर्तन होगा और वृत्तिक संबंधी सही विकल्पों को चुनने में सहायता भी मिल सकेगी।

REFERENCES

- Bawa, S. K. & Kaur, S. (2012). Manual for Career decision making scale CDMS-KS. National Psychological Corporation, Agra.
- Bhalla, V. & Singh, K. (2018). Career Decision-Making Self-Efficacy and Decision-Making Style of Adolescent at Senior Secondary Level. International Research Journal of Human Resources and Social Sciences, 5(11), 141-145
- Bheda, J. J. (2023). Lifestyle Among Male and Female Undergraduate College Students. International Journal of Social Impact, 8(1), 186-189.
- Ganguli, S., Kulkarni, M. & Gupta, M. (2017). Predictors of Academic Performance among Indian Students. Social Psychology of Education, 20(1), 139-157.
- Kariyappa, M. S. & Viswanathappa, G. (2021). A Study on Career Decision Making of Higher Secondary School Students of Demonstration School, Mysore. International Journal of Research in Social Sciences, 11(01), 87-93.
- Kavi, A. & Walvekar, P. R. (2022). Lifestyle Factors Influencing the Academic Performance among the Secondary School Students in an Urban Area of South India. International Journal of Adolescent Medicine and Health, 34(5), 297-304.
- Kirandeep, S. (2014). Manual for Career decision making scale CDMS-KS. National Psychological Corporation, Agra.
- Kumar, V. V. & Tankha, G. (2020). Influence of Achievement Motivation and Psychological Adjustment on Academic Achievement: A Cross-sectional Study of School Students. Humanities & Social Sciences Reviews, 8(1), 532-538.
- Rohit, V. K., & Makwana, S. M. (2015). A Comparative Study of Lifestyle and Academic Performance of Arts and Science College Students. International Journal of Indian Psychology, 4(1), 342-349
- Sanneboyna, D. & Nethravathi (2018). Gender Differences in Career Decidedness among Pre-University Students. International Journal of Science and Research, 9(4), 1768-1774.
- Subhrajyoti, T. (2023). Career Decision Making of Secondary School Students – A Critical Review. International Journal of Innovative Science and Research Technology, 8(2), 1112-1116.